

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य है। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

## भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. निम्न का उत्तर दें :-
  - क. आयुर्दाय के संदर्भ में कक्षा वृद्धि और कक्षा हास पर प्रकाश डालें।
  - ख. जैमिनी सूत्र के अनुसार कोई जन्मांग अल्पायु, मध्यायु व दीर्घायु कैसे दर्शाता है?
  - ग. यदि एक जन्मांग दीर्घायु दिखाता है एवं लग्नेश व अष्टमेष एक राशि में क्रमशः 5 अंश व 8.5 अंश पर है तो जातक की आयु कितनी हो सकती है?
  - घ. स्थिर दशा को आप आयु निर्धारण का समय ज्ञात करने के लिए कैसे प्रयोग करेंगे?
2. निम्न जातक की चर दशा ज्ञात करें तथा उसके वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें:  
09.05.1959, जेवर (भारत), 10:31 घंटे, दशा शेष : 0व. 3मा. 9 दि.  
पुरुष  
लग्न : कर्क 5:23, सूर्य : मेष 24:33, चन्द्र : वृषभ 9:23;  
मंगल : मिथुन 23:12, बुध : मेष 1:5, गुरु (व) वृश्चिक 5:2,  
शुक्र : मिथुन 5:3, शनि (व) : धनु 13:21, राहु : कन्या 19:24  
केतु : मीन 19:24
3. प्र. 1 की कुण्डली के आधार पर निम्न निर्धारित करें :-
  - क. प्रत्येक भाव के लिए पद लग्न
  - ख. ग्रह व भाव बल
4. सत्य एवं असत्य बताएं :-
  - i) चर दशा की अंतर दशा का क्रम राशि दशा से नवम राशि के आधार पर तय किया जाता है।
  - ii) स्थिर दशा ब्रह्मा से प्रारम्भ होती है।
  - iii) यदि शनि अथवा राहु अथवा केतु ब्रह्मा बन रहा हो तो बृहस्पति ब्रह्मा बन जाता है।
  - iv) यदि आरुढ़ लग्न, होरा लग्न व घटिका लग्न त्रिकोण में हो व लग्न पर दृष्टि डाले तो राज योग बनता है।
  - v) यदि किसी भाव में एक से अधिक ग्रह है तो वह भाव बल खो देता है।
  - vi) चर राशि स्थिर राशि पर दृष्टि डालती है व द्विस्वभाव राशि सभी राशियों पर दृष्टि डालती है।
  - vii) कारकांश से द्वितीय राशि व उसमें स्थित ग्रह जातक का व्यवसाय निर्धारित करते हैं।
  - viii) पहली त्रिकोण दशा लग्न, पंचम व नवम में अधिकतम बली से प्रारम्भ होती है।
  - ix) तीन अथवा तीन से अधिक अशुभ ग्रह किसी राशि में हो तो उस राशि से एकादश में यदि कोई ग्रह हो तो भी अर्गला का निवारण नहीं होता है।
  - x) इन्दु लग्न किसी जन्म पत्रिका में धन सम्पत्ति जानने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

5. उपपद का किसी जातक के सहोदर व संतान की जानकारी के लिए कैसे प्रयोग होता है। इसके लिए निम्न कुण्डली का प्रयोग करें।  
 29.10.1955, 11:00 प्रातः, दिल्ली, दशा शेष : शनि - 2व 9मा 21दि, पुरुष  
 लग्न : धनु 9:19, सूर्य : तुला 11:46, चन्द्र : मीन 14:42,  
 मंगल : कन्या 16 : 51, बुध : कन्या 23:20, गुरु : सिंह 4:32,  
 शुक्र : तुला 26:58, शनि : तुला 8:20 राहु : वृश्चिक 24:53,  
 केतु : वृषभ 24:53

#### भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न कुण्डली को प्रयोग करते हुए विवाह के समय निर्धारण की विधि पर प्रकाश डालें :-  
 17.4.1979, 18:49 घण्टे, पटना, दशा शेष : केतु 4व. 6मा. 21दि., महिला  
 लग्न : तुला 10:32, सूर्य : मेष 3:22, चन्द्र : धनु 4:40,  
 मंगल : मीन 14:35, बुध : मीन 6:27, गुरु : कर्क 6:13,  
 शुक्र : कुंभ 29:41, शनि (व) : सिंह 13:55, राहु : सिंह 23:8  
 केतु : कुंभ 23:8
7. क. सिंह लग्न के जातक के लिए सप्तमेष शनि की पंचम, नवम, एकादश एवं लग्न स्थिति का फलादेश करें।  
 ख. मेष लग्न के जातक के सप्तमेष की बुध सहित तृतीय, षष्ठम् व अष्टम् भाव में स्थिति का फलादेश करें।
8. क्या निम्न स्थितियों में कुजा दोष होगा :-  
 i) मेष लग्न में वृषभ स्थित मंगल  
 ii) मिथुन लग्न में चतुर्थ भावस्थ मंगल  
 iii) तुला लग्न में अष्टमस्थ मंगल  
 iv) वृश्चिक लग्न में अष्टमस्थ मंगल  
 v) मीन अथवा धनु लग्न में सप्तमस्थ मंगल  
 vi) कुम्भ लग्न में द्वादशस्थ मंगल  
 vii) कर्क व सिंह लग्न में द्वितीय भाव में मंगल  
 viii) मकर लग्न के लिए चतुर्थस्थ मंगल  
 ix) कन्या लग्न के लिए षष्ठम् मंगल  
 x) वृषभ लग्न के लिए मंगल किसी भी भाव में
9. निम्न स्थितियों में क्या मेलापक किया जा सकता है :-  
 i) महिला की जन्म राशि पुरुष की नवांश राशि से त्रिकोण में  
 ii) कर्क लग्न में चन्द्र व शनि सप्तम भाव में  
 iii) महिला व पुरुष का जन्म नक्षत्र स्वाति या मृगशिरा हो  
 iv) महिला का जन्म नक्षत्र रेवती व पुरुष का मघा  
 v) उच्च का शुक्र शुभकर्तरी में  
 vi) महिला की जन्म राशि, पुरुष की जन्म राशि से षष्ठम्  
 vii) पुरुष का पंचम नपुसंक राशि में व कन्या का एकादश व एकादशेश बली हो  
 viii) महिला का नक्षत्र कृत्तिका व पुरुष का भरणी  
 ix) महिला व पुरुष का नक्षत्र धनिष्ठा  
 ix) पुरुष की जन्म राशि मिथुन व महिला की वृषभ
10. तुला लग्न के जातक के लिए सभी भावेशों का सप्तम स्थिति का फलादेश करें।